भारत सरकार
संचार मंत्रालय
दूरसंचार विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 4086
उत्तर देने की तारीख 12 अगस्त, 2026

वारंगल में 4जी/5जी मोबाइल संपर्क का विस्तार

4086. डॉ. कडियम काव्यः

क्या **संचार** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) विगत तीन वर्षों के दौरान वारंगल जिले में विशेषकर ग्रामीण और जनजातीय क्षेत्रों में 4जी/5जी मोबाइल संपर्क के विस्तार की स्थिति क्या है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्योरा क्या है;

(ख) डिजिटल भारत निधि (पूर्व में सार्वभौमिक सेवा दायित्व निधि) सहित केन्द्र सरकार की विभिन्न पहलों के अंतर्गत स्वीकृत, स्थापित और प्रचालित किए गए मोबाइल टावरों की संख्या का ब्योरा क्या है; और

(ग) जिले में मोबाइल नेटवर्क ब्लैक स्पॉट को समाप्त करने और दूरसंचार कवरेज में सुधार लाने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर

संचार एवं ग्रामीण विकास राज्य मंत्री
(डॉ. पेम्मासानी चंद्र शेखर)

(क) से (ग): जून, 2026 तक, वारंगल जिले के 218 गांवों (भारत के महापंजीयक के आंकड़ों के अनुसार) में से, 217 गांवों में मोबाइल कनेक्टिविटी उपलब्ध है, 216 गांवों में 4जी कनेक्टिविटी उपलब्ध है और 47 गांवों में 5जी कनेक्टिविटी उपलब्ध है।

दिनांक 30.06.2026 तक, ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों सहित वारंगल जिले में 1,074 4जी बेस ट्रांसीवर स्टेशन (बीटीएस) और 239 5जी बीटीएस कनेक्टिविटी प्रदान कर रहे हैं।

सेवा से वंचित किसी भी आबाद गांव में मोबाइल कवरेज, दूरसंचार सेवा प्रदाताओं (टीएसपी) द्वारा तकनीकी-व्यावसायिक व्यवहार्यता के आधार पर प्रदान की जाती है। सरकार ने देश के सेवा से वंचित ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों में मोबाइल टावर लगाकर दूरसंचार कनेक्टिविटी का विस्तार करने के लिए डिजिटल भारत निधि (डीबीएन) से वित्तपोषण के साथ विभिन्न स्कीमों को अनुमोदित किया है। दिनांक 30.06.2026 तक, सरकार द्वारा वित्तपोषित इन मोबाइल कनेक्टिविटी स्कीमों के तहत, तेलंगाना के वारंगल जिले के महादेवुनिगुडा नामक एक गांव में 4जी मोबाइल सेवाएं प्रदान की गई हैं।

इसके अलावा, सरकार ने सभी ग्राम पंचायतों (जीपी) और बिना ग्राम पंचायत वाले गाँवों में मांग के आधार पर हाई-स्पीड फाइबर ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी प्रदान करने के लिए संशोधित भारतनेट कार्यक्रम को अनुमोदित किया है। जून, 2026 तक, भारतनेट के तहत वारंगल जिले में 178 ग्राम पंचायतें कार्यशील हैं।

*****